मूल हिंदी में

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1708

10.03.2025 को उत्तर के लिए

सड़क दुर्घटनाओं में तेंदुओं की मृत्यु

1708. श्री लुम्बाराम चौधरी :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान वन क्षेत्र में सिरोही जिले के पिंडवाड़ा-ब्यावर फोरलेन मार्ग पर स्थित सुरंग पर गत तीन वर्षों के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले तेंदुओं की वर्षवार और जिलावार संख्या कितनी है तथा ऐसी दुर्घटनाओं के लिए दोषी पाए गए चालकों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;

(ख) पिंडवाड़ा-ब्यावर फोरलेन मार्ग पर तेंदुओं तथा अन्य वन्यजीवों द्वारा सड़क पार कर दूसरी ओर जाने के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले चिह्नित स्थानों की संख्या कितनी है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वन विभाग ने पिंडवाड़ा-ब्यावर फोरलेन मार्ग पर स्थित सुरंग पर रात्रि के समय वन्यजीवों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए कोई ठोस योजना बनाई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) और (ख) राजस्थान राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, गत तीन वर्षों के दौरान पिंडवाड़ा-ब्यावर राजमार्ग पर बहारीघाट हनुमानजी पुल, बहारीघाट हनुमानजी मंदिर, सिरोही सुरंग और सिरोही लॉ कॉलेज के सामने तेंदुओं की मौत हुई हैं। इन घटनाओं पर आगे की जांच के लिए प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई हैं। सिरोही जिले के पिंडवाड़ा ब्यावर मार्ग पर गत तीन वर्षों में हुई तेंदुओं की मौत का ब्यौरा निम्नानुसार है :

वर्ष	तेंदुओं की मौत की संख्या
2022	0
2023	1
2024	3

(ग) और (घ) राजस्थान राज्य सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं के कारण वन्य पशुओं की मौतों को रोकने पर लक्षित एक उपशमन योजना तैयार करने के लिए भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के साथ सहयोग किया है।

****